

सत्संग में भाग लेने वाले साधकों के लिए आवश्यक दिशा निर्देश

1. सुरक्षा कारणों से अपना परिचय पत्र कार्यक्रम स्थल में पहुंचने पर कार्यालय से तुरन्त बनवा लें और हर समय अपने पास रखें। सुरक्षा कर्मचारी के मांगने पर अपना परिचय पत्र अवश्य दिखाएं।
2. सत्संग स्थान पर आने के बाद मौन धारण करके अपने हृदय को परमात्मा की याद में डुबाये रखें ताकि अधिक से अधिक लाभान्वित हो सकें।
3. कार्यक्रम स्थल पर ठीक समय से पहुंचकर सभी सत्संग कार्यक्रमों में भाग लें जिससे कि अधिक से अधिक आध्यात्मिक लाभ प्राप्त हो सकें।
4. पण्डाल में पहले आने वाले व्यक्ति आगे बैठे ताकि बाद में आने वाले व्यक्तियों को असुविधा न हो।
5. माताएं शिशुओं और बच्चों को लेकर आन्तरिक सत्संग और सामूहिक शान्ति: पाठ में न बैठें।
6. बाहुभूषण वस्तुएं हार्जिज साथ न लायें। आवश्यकतानुसार हल्के गर्म बस्त्र, बिस्तर, अपने व्यक्तिगत प्रयोग का सामान अपने साथ अवश्य लायें और अपने सामान की सुरक्षा स्वयं करें।
7. कार्यक्रम के दौरान अपने मोबाईल फोन बंद रखें।
8. पेयजल व्यर्थ न बहायें।
9. किसी सत्संगी भाई व बहन की वस्तु उनकी आज्ञा के बिना न लें।

सत्संग स्थल पर पहुंचने हेतु मार्ग दर्शन

1. रेल मार्ग से दिल्ली होकर कौतपुर तक रेल द्वारा व आगे बस से सुन्दरनगर तक पहुंचा जा सकता है।
2. दिल्ली ISBT से कुल्लू, मनाली व मण्डी की बसों से सुन्दरनगर पहुंचा जा सकता है।

परम संत महात्मा श्री यशपाल जी द्वारा संस्थापित अखिल भारतीय संतमत सत्संग (रजि०) दिल्ली द्वारा प्रकाशित सत्संग साहित्य एवं त्रैमासिक पत्रिका संत सुधा

सत्संग साहित्य :-

1. श्री कृष्णमूल वचनामृत भाग-1	हिन्दी
2. श्री कृष्णमूल वचनामृत भाग-2	हिन्दी
3. श्री कृष्णमूल वचनामृत भाग-3	हिन्दी
4. श्री कृष्णमूल वचनामृत भाग-4	हिन्दी
5. श्री कृष्णमूल वचनामृत भाग-5	हिन्दी
6. सत्संग पढ़ाई	हिन्दी
7. मन्त्र और तन्त्रीयता	हिन्दी
8. अनुभव नाटी रत्न	हिन्दी
9. मन्त्रावली	हिन्दी
10. पत्र पुष्पाञ्जलि भाग-1	हिन्दी
11. पत्र पुष्पाञ्जलि भाग-2	हिन्दी
12. जीवन मुक्त अवस्था की ओर	हिन्दी
13. आत्म कोष दर्शन	हिन्दी
14. आत्म आहुति	हिन्दी
15. आत्म प्रकाश	हिन्दी
16. संरक्षक के खंदा	हिन्दी
17. साधन की चरली सीढ़ी	हिन्दी
18. साधन की दूसरी सीढ़ी	हिन्दी
19. आनन्द योग भाग-1	हिन्दी
20. आनन्द योग भाग-2	हिन्दी
21. Anand Yoga Vol. I	English
22. Anand Yoga Vol. II	English
23. ITI Marg Ki Sadhana	English
24. In Quest of Spiritualism Vol.I	English
25. In Quest of Spiritualism Vol.II	English
26. गीता सुधा (अध्याय 1 से 15)	हिन्दी/Eng.
27. अष्टावक्र गीता (अध्याय 1 से 5)	हिन्दी/Eng.
28. डायरी के पृष्ठों से(Clipings from Diary)	हिन्दी/Eng.
त्रैमासिक मूल पत्रिका: संत-सुधा	
वार्षिक मूल पत्रिका: 200/- रुपये	
आजीवन सदस्यता: 2000/- रुपये (15 वर्षों के लिए)	
रोजाना संस्थाओं के लिए : 1000/- रुपये (10 वर्षों के लिए)	

सम्पर्क सूत्र

श्री के.एल. मल्होत्रा	: 094180-00093, 091484-90993
	: 01905-222093
श्री सोहन लाल गुप्ता	: 093185-16592
श्री विवेक वैद्य	: 094185-60068, 01907-266616
श्री कृष्णलाल वालिया	: 094185-24400



मुख्यालय

अखिल भारतीय संतमत सत्संग

बी-20, सी.सी. कालोनी,
राणा प्रताप बाग के सामने, दिल्ली-7
www.abssatsang.org

आध्यात्मिक उत्सव
9 से 10 जनवरी 2013

सत्संग स्थल

शीतला माता मन्दिर
गांव भौण, तहसील सुन्दरनगर
जिला मण्डी (हि०प्र०)

सत्संग का संक्षिप्त परिचय

आधुनिक परिवेश में भौतिक स्तर पर हमने भले ही काफी उन्नति कर ली हो लेकिन साथ-साथ तनाव व असन्तुष्टि भी हम पर प्रभाव डालते चले गए। इसका एकमात्र विकल्प ध्यान-योग ही है जिसका अभ्यास व विनान परम सन्त महात्मा श्री यशपाल जी (पूज्य माई साहब जी) द्वारा संस्थापित 'अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग' में क्रियात्मक रूप से करवाया जाता है। आज की आधुनिक जीवन शैली को देखते हुए हमारे सिलसिले के बुजुर्ग/सदस्यों ने इसका अनुभव किया व तनाव रहित जीवन बिताने के लिए इस सुन्दर शैली का विकास किया। जिससे गृहस्थ जीवन में रहते हुए आत्मिक आनन्द, सच्चा सुख प्राप्त हो। 'अखिल भारतीय सन्तमत सत्संग' संस्था का मुख्य उद्देश्य इस शैली के सिद्धान्तों का जनमानस में Concentration and Meditation की सरल विधि बताना व पूजा के साथ-साथ रहन-सहन के तरीके का प्रचार व प्रसार करना है। यह एक ऐसी विधि है जिसको अपनाने से गृहस्थ जीवन का वापन करते हुए निरन्तर परमात्मा की याद बनी रहे और साथ-साथ गृहस्थ के सांसारिक कार्य आज से और अधिक सुन्दर हों और हमें इसी जीवन में सच्ची निष्काम-कर्मता व सच्चा आनन्द प्राप्त हो।

यह तरीका सभी धर्म, जाति एवं सम्प्रदाय के साधकों के लिए एक अद्भुत ईश्वरीय देन है। सच्चा आध्यात्मिक ज्ञान केवल एक समर्थ सत्गुरु के शक्तिपात द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है। सत्संग के संस्थापक परमसन्त श्रीसुरेश जी (परमपूज्य मैया जी) इसी कार्य में संलग्न हैं और साधकों के मार्ग-दर्शन के लिए उपलब्ध रहते हैं।

आनन्द योग का पवित्र ज्ञान वही प्राचीन ब्रह्म-ज्ञान है जिसे ब्रह्मर्षि अष्टावक्र जी ने अपने प्रिय शिष्य राजा जनक को प्रदान कर आत्म-साक्षात्कार का दिव्य अनुभव करवाया और जनक चक्रवर्ती सम्राट होते हुए भी विदेह कहलाए।

आध्यात्म एवं ध्यान-योग की उच्च अवस्थाओं को प्राप्त करने के उद्देश्य से भारतवर्ष एवं विदेशों के केन्द्रों पर हर रविवार को प्रातः 9:00 बजे से 11:00 बजे तक एवं बृहस्पतिवार को सायं 6:30 बजे से 8:00 बजे तक सत्संग का आयोजन किया जाता है। जिसमें कि मुख्यतः ध्यान-योग (Concentration and Meditation) का अभ्यास करवाया जाता है। बताए गए तरीके से अभ्यास करने पर एवं सत्संग कार्यक्रमों में नियमित रूप से भाग लेने पर सच्चा आनन्द, सुषुप्ति, आध्यात्मिक चक्रों का जागरण, सहज समाधि, आत्म-साक्षात्कार एवं जीवन मुक्त- अवस्था की प्राप्ति जैसे दुर्लभ आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त होते हैं।

जन्मोत्सव, जनवरी 2013

(परम सन्त पूजनीया माता जी)

पूजनीय माताओं और बन्धुओं,

भगवान की देवा व कृपा से इस वर्ष भी परम पूज्या माता जी (परम सन्त रूपवती देवी जी) के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 9 से 10 जनवरी, 2013 तक शीतला माता मन्दिर, तहसील सुन्दरनगर, मण्डी (हि०प्र०) में सत्संग का कार्यक्रम रखा जा रहा है। आशा है कि सब सत्संगी माई-बहन इस शुभ अवसर पर पधार कर लाभान्वित होंगे। यह सूचना समस्त सत्संगी माईयों व बहिनों को स्वयं देने की कृपा करें तथा अन्य सज्जन वृन्द, भक्तजनों को भी इस शुभ अवसर पर साथ लाएं। परम संत मैया सुरेश जी की संरक्षकता में यह जन्मोत्सव मनाया जायेगा।

दिनीतः

समस्त सत्संगी

हिमाचल प्रदेश

नोटः

1. परम संत महात्मा श्री सुरेश जी (परम पूज्य मैया जी) दिनांक 9 जनवरी, 2013 रविवार को दोपहर 1:00 बजे सुन्दरनगर पधारेंगे।
2. इन दिनों यहां ठण्ड बहुत रहती है इसलिए गर्म कपड़े व बिस्तर साथ लायें।

सत्संग कार्यक्रम

अखण्ड शान्ति पाठ :

दिनांक 9 जनवरी, 2013 (बुधवार) सायं 3:00 बजे से
दिनांक 10 जनवरी, 2013 (वीरवार) प्रातः 9:00 बजे तक (18 घंटे)
इस पाठ में "ॐ शान्ति" मन्त्र का जाप जिहा से नहीं अपितु हृदय (ख्याल की जुबान से) (Not by tongue but by thought) किया जाता है। इस जाप से साधकों को आन्तरिक शान्ति और आनन्द का अनुभव होता है।

9 जनवरी, 2013 (बुधवार)

सायंकाल

5:00 बजे से 6:00 बजे तक

ध्यान-योगाभ्यास

6:00 बजे से 7:00 बजे तक

ध्यान-योगाभ्यास के

सिद्धान्तों पर प्रकाश

10:00 बजे से 11:00 बजे तक

टोली चर्चा

10 जनवरी, 2013 (वीरवार)

प्रातःकाल

7:00 बजे से 7:30 बजे तक

रामसुन

8:00 बजे से 9:00 बजे तक

सामूहिक शान्ति पाठ

10:00 बजे से 12:00 बजे तक

श्रद्धाजलि